

विद्वत् परिषद् द्वारा समीक्षित पत्रिका

ISSN 2349-1906

साहित्य यात्रा

वर्ष 9 अंक 38 अप्रैल-जून, 2024

साहित्यिक-सांस्कृतिक यात्रा की साक्षी

संपादक

कलानाथ मिश्र



जन्म-दिवस के अवसर पर सम्पादकाचार्य पंडित देवीदत्त शुक्ल जी का भावपूर्ण स्मरण-वन्दन करते हुए इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व हिन्दी-विभागाध्यक्ष डॉ. मुश्ताक अली, 'चण्डी' पत्रिका के सम्पादक श्री व्रतशील शर्मा एवं अन्य हिन्दी-अनुरागी।



छन्दशाला के वार्षिक आयोजन में मंच पर ईश्वर करुण, नई धारा के संपादक डॉ. शिवनारायण, साहित्य यात्रा के संपादक प्रोफेसर कलानाथ मिश्र, साहित्यकार उपेंद्र पांडे, छन्दशाला के संयोजक, कवि विजय गुंजन, सम्मानित होती कवयित्री डॉ. सुधा सिन्हा।



अखिल भारतीय काव्य मंच की संस्था 'छन्दशाला' के द्वारा आयोजित काव्य सम्मेलन में नई धारा के संपादक डॉ. शिवनारायण, प्रसिद्ध आलोचक भगवती प्रसाद द्विवेदी कवि-कथाकार डॉ. कलानाथ मिश्र, ईश्वर करुण, कवि-कुंवर कांत एवं अन्य कवि-साहित्यकार।

विद्वत् परिषद् द्वारा समीक्षित पत्रिका

साहित्य यात्रा

साहित्यिक-सांस्कृतिक यात्रा का साक्षी

संपादक
कलानाथ मिश्र

साहित्य यात्रा

साहित्यिक-सांस्कृतिक यात्रा का साक्षी

सदस्यता फार्म

‘साहित्य यात्रा’ विशिष्ट सदस्यता	:	1100/-
एक वर्ष (4 अंक)	:	500/- (डाक खर्च सहित)
तीन वर्ष (12 अंक)	:	1500/- (डाक खर्च सहित)
संस्थागत मूल्य (3 वर्ष)	:	1500/-
आजीवन सदस्यता	:	15000/-
विदेश के लिए (3 अंक)	:	60 डॉलर

(पटना के बाहर के चेक पर कृपया बैंक कमीशन के 40/- रुपये अतिरिक्त जोड़ दें।)

उक्त दर के अनुरूप मैं चेक / ड्राफ्ट संलग्न कर रहा हूँ। ऑन लाईन खाते में डाल दिया हूँ (रेपफरेन्स नं.) कृपया मुझे ग्राहक बना कर मेरी प्रति निम्न पते पर भिजवाएँ।

नाम :-	पद :-
पता :-	
दूरभाष 1 :	दूरभाष 2 :
शहर :	पिन नं. :-
देश :	ईमेल -
संकाय / विभाग / विद्यालय :	

भुगतान की जानकारी

नकद/बैंक रकम : रु. द्वारा

डी0डी0/प्रत्यक्ष हस्तांतरण/चेक/बैंक का नाम :

डी0डी/चेक/स्थानान्तरण संख्या : दिनांक :

दिनांक :		हस्ताक्षर (या पूरा नाम लिखें)	
----------	--	----------------------------------	--

ऑनलाइन हस्तांतरण विवरण :- साहित्य यात्रा, पंजाब नेशनल बैंक,
एस.के. पुरी शाखा, पटना-1

खाता क्रमांक- 6236000100016263, IFSC- PUNB0623600

वेबसाइट - www.sahityayatra.com



यहाँ से काटिए



साहित्य यात्रा

साहित्यिक-सांस्कृतिक यात्रा का साक्षी

वर्ष-9

अंक-38

अप्रैल-जून, 2024

परामर्शी

डॉ. सूर्य प्रसाद दीक्षित

डॉ. प्रेम जनमेजय

डॉ. हरीश नवल

सम्पादकीय सलाहकार

श्री आशीष कंधवे

समीक्षक मंडल

प्रो. शैलेन्द्र कुमार चौधरी

संकायाध्यक्ष, मानविकी संकाय

(पूर्व विभागाध्यक्ष, स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग,
कॉलेज ऑफ कॉमर्स)

प्रो. प्रतिभा सहाय

(पूर्व आचार्य, स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग)

डॉ. सुजीत दूबे

(अध्यक्ष एवं एसोसिएट प्रोफेसर,
मनोविज्ञान विभाग, ए.एन. कॉलेज, पटना)

उप-संपादक

डॉ. सत्यप्रिय पाण्डेय

डॉ. करुणा पीटर 'कमल'

सहायक संपादक

डॉ. अमित कुमार मिश्रा

आवरण-चित्र

अभिजीत मिश्रा

साज-सज्जा

निशिकान्त / मनोज कुमार

संपादक

कलानाथ मिश्र



साहित्य यात्रा में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखकों के हैं जिनसे संपादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं पत्रिका से जुड़े किसी भी व्यक्ति का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। सभी विवादों का निपटारा पटना क्षेत्र के अन्तर्गत सीमित है। पत्रिका में संपादन से जुड़े सभी पद गैर-व्यावसायिक एवं अवैतनिक हैं। पत्रिका में प्रकाशित किसी भी आलेख का पुनर्प्रकाशन के पूर्व संपादक की अनुमति अनिवार्य है।

साहित्य यात्रा

साहित्यिक-सांस्कृतिक यात्रा का साक्षी

RNI No. : BIHHINO5272

ISSN 2349-1906

विश्व विद्यालय अनुदान आयोग (UGC) द्वारा पूर्व अनुमोदित

विद्वत् परिषद् द्वारा समीक्षित पत्रिका

© स्वत्वाधिकार सुरक्षित

प्रकाशित सामग्री के पुनः उपयोग के लिए लेखक,

अनुवादक अथवा साहित्य यात्रा की स्वीकृति अनिवार्य है।

संपादकीय कार्यालय

‘अभ्युदय’

ई-112, श्रीकृष्णपुरी

पटना-800001 (बिहार)

मोबाइल : 8434880332/09304302308/09835063713/9546138889

ई-मेल : sahityayatra@gmail.com

kalanath@gmail.com

वेब साईट : <http://www.sahityayatra.com>

मूल्य : ₹ 100/- (एक सौ रुपये मात्र)

प्राप्ति स्थान :

पटना-

आलोक कुमार सिंह, मैगजीन हाउस, शालीमार स्टूडियो के पास,
सहदेव महतो मार्ग, बोरिंग रोड, पटना-800001

दिल्ली -

1. आर.के. मैगजीन सेन्टर, क्रिश्चियन कॉलोनी, पटेल चेस्ट,
दिल्ली, वि.वि., दिल्ली-11007
2. राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, मंडी हाउस, नई दिल्ली

शुल्क ‘साहित्य यात्रा’ के नाम पर भेजें।

‘साहित्य यात्रा’ त्रैमासिक डॉ. कलानाथ मिश्र के स्वामित्व में और उनके द्वारा ‘अभ्युदय’

ई-112, श्रीकृष्णपुरी, पटना-800001, बिहार से प्रकाशित तथा ज्ञान गंगा क्रियेशन्स,

पटना से मुद्रित। स्वामी/संपादक/प्रकाशक/मुद्रक : प्रो. कलानाथ मिश्र।

अनुक्रम

संपादकीय	07
पत्र	11
भगवती प्रसाद द्विवेदी	
आलेख	
राजेश जोशी की कविता-वर्तमान में मुठभेड़ और भविष्य का स्वप्न	12
डॉ. व्यास मणि त्रिपाठी	
किसी भी राष्ट्र के लिए क्यों आवश्यक है 'एक राष्ट्रभाषा'?	22
डॉ. अनिल सुलभ	
“प्रेमचंद की रचनाएँ मानव अधिकारों के लिए संघर्षरत थीं”	27
राजेन्द्र सिंह गहलौत	
भर्तृहरि के नीति शतक पर नाथ परंपरा का प्रभाव	35
डॉ. निरुपमा राय	
अपने जड़ों से बिछुड़ने की व्यथा-कथा	41
पद्मा मिश्रा	
स्मृतियों का मधुकोश	46
कृष्ण बिहारी पाठक	
यात्रा वृत्तांत	
पानीपत, काला अम्ब और जोड़ा	53
ईश्वर करुण	
आलेख	
दिनकर का सांस्कृतिक चिंतन	58
डॉ. उमेश कुमार शर्मा	
दिनकर का राष्ट्रवाद	64
डॉ. आशा कुमारी	
संपूर्ण नवजागरण स्त्री चेतना : सुभद्रा कुमारी चौहान	69
डॉ. अनीता उपाध्याय	
देश और समाज में व्याप्त तनाव से बुनी हुई गजलों का संकलन है 'समय के साये'	77
सीमा कुमारी	
डॉ. हरिवंश राय 'बच्चन' कृत 'मधुशाला' की रूबाइयों का	83
भारतीय स्वाधीनता आंदोलन पर प्रभाव	
अनिग्धा श्रीवास्तव	
फिल्म चांदनी बार में चित्रित बार-बाला समस्या	89
कुमारी उषा	

डॉ. इन्द्र कान्त झा मिथिला के रवि ठाकुर श्री राम तिवारी	97
21वीं शताब्दी के प्रमुख हिन्दी उपन्यासों में किसान जीवन धनराज	101
कविता	
कुछ लेना न देना नंदकिशोर नंदन	107
कहानी	
अकेली औरत सुधा गोयल	109
बाप का झाप श्यामल बिहारी महतो	114
उकाब अमृता पांडे	121
पुस्तक समीक्षा	
अगन हिंडोला-कथा शेरशाह की : पद्मश्री उषाकिरण खान अभिषेक मुखर्जी	127
अनल्प अशोक चितरंजन भारती	135
जिन्दगी से सवालों का बौछार करती कहानियाँ डॉ. शोभनाथ शुक्ल	143
साहित्यिक रिपोर्ट	
देवी दत्त शुक्ला जी की जयंती पर गोष्ठी का आयोजन व्रतशील शर्मा	150
साहित्यिक रिपोर्ट	
अमर कांत कुमार के गीत संग्रह 'गा बंजारा' और गज़ल संग्रह 'समय के साये' के लोकार्पण के अवसर पर आयोजित भव्य साहित्यिक समागम डॉ. अमित कुमार मिश्रा	155
कविता	
व्यथा / दहेज की दीवार लायची हरि "राही"	159

सम्पादकीय

साहित्य यात्रा के इस अंक में सबसे पहले हम स्मरण करेंगे पंडित देवीदत्त शुक्ल को। वे कलम के प्रति समर्पित मनीषी थे, साहित्य-साधना के प्रतिमान रहे हैं। शुक्ल जी हिन्दी की कालजयी पत्रिका 'सरस्वती' के दीर्घ काल तक यशस्वी संपादक रहे।

हिन्दी साहित्य को विकास के शिखर पर पहुँचाने वाली पत्रिकाओं में 'सरस्वती' का स्थान सबसे ऊँचा है। आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी के द्वारा स्थापित पत्रकारिता के मानदंड को कायम रखते हुए उनकी शिष्य-परंपरा में आने वाले पंडित देवीदत्त शुक्ल ने लगभग 27-28 वर्षों तक सरस्वती का संपादन किया। हिन्दी साहित्य के मनीषी पंडित देवीदत्त शुक्ल का जन्म 28 अप्रैल, 1888 ई० में हुआ। शुक्लजी ने अपनी आत्मकथा 'सम्पादक के पच्चीस वर्ष' में स्वयं उल्लेख किया है कि "ठोंक-पीटकर मैं सचमुच ही एक साहित्यिक व्यक्ति अवश्य बना दिया गया और इसका एक-मात्र श्रेय आचार्य द्विवेदी को है।"

हिन्दी साहित्य में उन्हें संपादनकला के सर्वाधिक कुशल आचार्य के रूप में जाना जाता है। सरस्वती पत्रिका पर हुए शोध कार्यों से यह प्रमाणित हुआ है कि पहले चरण में 1925 से 1927 तक और फिर 1929 से 1943 ई. तक 'सरस्वती' का कुशल संपादन पंडित देवीदत्त शुक्ल ने किया। प्रयागराज के अलोपीबाग स्थित 'चण्डी' कार्यालय में उन पर आयोजित एक गोष्ठी में विद्वानों ने सच ही कहा कि पंडित देवीदत्त शुक्ल जिस सम्मान के अधिकारी हैं, जिस सम्मान के साथ उन्हें याद किया जाना चाहिए, उस कर्तव्य का निर्वहन करने में हिन्दी जगत् असफल रहा है। यह भी कहा जा सकता है कि एक तरह से हिन्दी जगत ने पंडित देवीदत्त शुक्ल को विस्मृत कर दिया है। जबकि उनके द्वारा स्थापित पत्रकारिता के मापदंड आज भी प्रासंगिक हैं, बल्कि अब उसकी प्रासंगिकता और प्रबल हो उठी है। केवल संपादन कला में ही नहीं बल्कि हिन्दी साहित्य की अन्य विधाओं में भी पंडित जी ने उत्कृष्ट रचनाएँ की हैं, जिनमें 'स्वाधीनता के पुजारी', 'अवध के गदर का इतिहास', 'संपादन के पच्चीस वर्ष', 'हिंदुओं की पोथी', 'साधक का संवाद', 'कालरात्रि', 'क्रांतिकारी', 'कुछ खरी-खरी' आदि विशेष रूप से चर्चित हैं। इसके अलावा भी उन्होंने इतिहास, धर्म तथा दर्शन से संबंधित कई ग्रंथों का